Indian Council of World Affairs
Sapru House, Barakhamba Road
New Delhi

तृतीय सप्रु हाउस व्याख्यान

द्वारा

महामहिम पुष्प कमल दहल 'प्रचंड'

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री

विषय

"भारत-नेपाल संबंध:अगले दशक का विजन"

स्थान

सप्रु हाउस, नई दिल्ली

29 अप्रैल, 2013

सभापति महोदय,अतिविशिष्ट अतिथिगण, मित्रों, देवियों एवं सज्जनों

मैं भारत के विदेश नीति विशेषज्ञों , रणनीतिकारोंव प्रसिद्ध शिक्षाविदों तथा नेपाल के मित्रों और शुभेक्षुओं के इस महान समूह को संबोधित करने के इस अवसर को पाकर सत्कृत और सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। मैं इस अवसर पर इस महान कार्यक्रम के आयोजन तथा नेपाल-भारत संबंधों के कुछ विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा करने हेतु मुझे आमंत्रित करने के लिए विश्व मामलों की भारतीय परिषद् (आईसीडब्लूए) के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

आपको यह बताते हुए मुझे बड़ी खुशी है कि दो पड़ोसी मित्र देशों -नेपाल और भारत के बीच के संबंधों की स्थिति चिर काल से ही बहुत ही उत्कृष्ट , निकटता वाला, सौहार्द्रपूर्ण एवं बहु आयामी रही है। हमारा संबंध इतिहास , सांस्कृतिक लोकाचारों, परंपराओं और रिवाजों से पोषित रहा है जिसकी प्रकृति अद्वितीय है और ऐसा संबंध विश्व में शायद हीं किन्हीं देशों के बीच हो। उसी प्रकार लोगों के बीच का संबंध सदियों से विकसित हुआ है जिसमें आर्थिक प्रगति , समृद्धि और शांति के लिए साझा आकांक्षाएं हैं। साथ ही , मैं यह भी महसूस करता हूं कि हमारे द्विपक्षीय सहयोग को अर्थपूर्ण तरीके से मजबूत करने की और क्षमताएं हैं। मैं पाता हूं कि हमारे सम्मुख विशाल अवसर हैं। हमें अपने दोनों देशों के बीच प्राचीन सौहार्द्रपूर्ण संबंधों का निर्माण करना चाहिए तथा आर्थिक व वाणिज्यिक सहयोग पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए लोगों के बीच वास्तविक संबंध को मजबूत करना चाहिए। परस्पर लाभ के लिए इन क्षमताओं की व्यवहारिक अनुभूति ही अगले दशक में भारत-नेपाल संबंध का हमारा विजन है। मुझे आपके साथ इस विजन पर अपने विचार को साझा करने में बड़ी खुशी है। मैं आज की परस्पर बातचीत के लिए ऐसे महत्वपूर्ण विषय को चुनने के लिए आईसीडब्लूए को धन्यवाद देता हूं।

भारत सदियों से महान सभ्यता का एक देश है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत और इसके लोगों ने ब्रिटिश औपनिवेशवाद के विरूद्ध अपने अथक संघर्ष के माध्यम से स्वतंत्रता, लोकतंत्र और आजादी का रास्ता दिखाया है और अन्य देशों में ऐसे संघर्ष का समर्थन किया है। महात्मा गांधी जैसे भारतीय नेताओं की अगुवाई वाले स्वतंत्रता संग्राम की रोशनी का विश्व भर में कई देशों पर गुंजायमान प्रभाव पड़ा है जो देश ब्रिटिश औपनिवेशवाद के प्रभाव में थे। यदि मैं यह कहूं कि भारत विश्व भर में आधिपत्य और अन्याय के विरूद्ध संघर्ष में कई देशों के लिए प्रेरणा रहा है तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी।

अतिविशिष्ट अतिथिगण, देवियों और सज्जनों

नेपाल एक राष्ट्र के रूप में अपने अस्तित्व के 200 वर्षों से अधिक समय के बाद व्यापक राजनीतिक परिवर्तन के माध्यम से अपने सामाजिक - राजनीतिक संरचना में बड़े बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। जैसा कि आप सब अवगत हैं कि नेपाल ने तत्कालीन नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) सहित नेपाल की प्रमुख राजनीतिक शक्तियों में 12 सूत्री समझौते होने के बाद लोकतांत्रिक विचारों के नए पथ पर चलना शुरू किया है। यह ऐतिहासिक 12 सूत्री समझौता नई दिल्ली में ही हुआ, जिसे नेपाल के राजनीतिक विकास के इतिहास में मील का एक पत्थर रहा है जिसने राजतंत्र के 240 वर्षीय सामंतवादी निरंकुश शासन व्यवस्था को समाप्त करने में सहायता की और यह देश को एक गणतांत्रिक शासन व्यवस्था की ओर ले गया। व्यापक शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर हमने नेपाल में शांतिपूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। इस संदर्भ में हम नेपाल में भारत एवं भारतीय नेताओं और यहां के लोगों द्वारा नेपाल के लोगों की आकांक्षाओं को दिए गए मैत्रीपूर्ण सहयोग व सुझावको बहुत सम्मान देते हैं।

नेपाल अभी भी मूलभूत राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की स्थिति में है। नेपाल के परिवर्तनकारी चरण के कई आयाम थे। प्रथम आयाम शांति प्रक्रिया को पूरा करना;दूसरा आयाम संविधान सभा को पूर्ण सहयोग प्रदान करना व संविधान लेखन के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना; तीसरा चरण आर्थिक समृद्धि के लिए कार्यसूची तैयार करना व माहौल बनाना था। सीपीए के बाद की राजनीतिक प्रक्रिया देश में लोकतंत्र की रक्षा करने और इसे संवर्धित करने के लिए अनुकूल माहौल को सृजित करने का माध्यम थी। माओवादी सेना का राष्ट्रीय सेना में समेकन हुआ है और सरकार प्रमुख राजनीतिक शक्तियों की सहमति के साथ शांति प्रक्रिया के अन्य मुद्दों के समाधान के लिए एक सच्चा और सामंजस्य आयोग व अदर्शन आयोग की स्थापना करने जा रही है। हम दूसरी संविधान सभा, जिसके निकट भविष्य में होने की संभावना है,हेतु नए चुनाव के माध्यम से यथाशीघ्र परिवर्तनकारी चरण को समाप्त करना चाहेंगे। मुझे विश्वास है कि इन नए चुनावों से नेपाल में राजनीतिक स्थिरता लाने और गणतंत्रवाद,लोकतंत्र, संघवाद और शांति के लिए लोगों की आशा व आकांक्षाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। सभी प्रमुख राजनीतिक दल लोगों की इच्छाओं को समाहित करते हुए नेपाल हेतु एक नए संविधान के प्रारूप को तैयार करने के लिए संविधान सभा के नए चुनाव के लिए सहमत हुए। इस उद्देश्य के लिए मेरी पार्टी ने अपनी सत्ता अधिदेश को त्याग दिया और यह सुनिश्चित करते हुए नेपाल के उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त माननीय न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक चुनी हुई सरकार गठित करने पर सहमत हुई कि आने वाला चुनाव स्वतंत्र,निष्पक्ष व स्वीकार्य तरीके से होगा।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के बारे में बताते हुए मैं आपका ध्यान नेपाल के आर्थिक विकास ऐजेंडे के विभिन्न पहलुओं की ओर आकृष्ट करना चाहूंगा। यह हमारे लिए बड़े हर्ष की बात है कि नेपाल के दो पड़ोसी देश - भारत और चीन , आधुनिकीकरण और आर्थिक

प्रगति की राह पर हैं जो आज के विश्व के किसी भी देश के लिए अनूठा है।दोनों ही देशों ने प्रेरणादायी आर्थिक प्रगति की है। नेपाल एक छोटा सा हिमालयी देश है जो इन दो आर्थिक महाशक्तियों के बीच में अवस्थित है जो आप-पास में होने वाले आर्थिक विकास गतिविधियों से अछूता नहीं रह सकता है और रहना भी नहीं चाहिए। पड़ोस में ही दो तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के साथ नेपाल के लिए अविकसित , गरीब और पिछड़ा देश बना रहना अपरिमेय होगा। मेरा पूरा विश्वास है कि आर्थिक रूप से सुदृद्ध और विकसित नेपाल न केवल नेपाल और नेपाल वासियों के हित में है बल्कि यह हमारे पड़ोसी देश - भारत व चीन के भी हित में है। यह स्पष्ट है कि नेपाल का आर्थिक विकास देश में राजनीतिक स्थिरता का अग्रदूत होगा जो लंबी अवधि में भारत और चीन की सुरक्षा चिंताओं को सुनिश्चित करने व दूर करने में योगदान देगा। मेरा तर्क स्पष्ट रहा है और यह कि एक समृद्ध और विकसित नेपाल इस क्षेत्र में सुरक्षा , शांति और स्थिरता को सुनिश्चित करने का बेहतरीन तरीका है।

नेपाल-भारत संबंध शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व , संप्रभु समानता, और एक दूसरे की आकांक्षाओं व हितों की समझ के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। 21वीं सदी के संदर्भ में और बदले वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर मेरा विश्वास है कि नेपाल और भारत को अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नयी गति प्रदान करनी चाहिए और इतिहास के अनुभव के आधार पर सामुहिक रूप से अपने संबंधों को पुनर्परिभाषित करना चाहिए ताकि हमारा संपूर्ण द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हो तथा दोनों ही देशों की आकांक्षाओं व हितों को पूरा किया जा सके। जहां यह नेपाल-भारत संबंधों के इतिहास की सकारात्मक परिभाषा की आवश्यकता रही है , वहीं मैं सच्ची मित्रता , सौहार्द्रता और परस्पर सहयोग के आधार पर विकसित अपने द्विपक्षीय संबंधों को देखना चाहूंगा। नेपाल भारत की सुरक्षा चिंता से अच्छी तरह से अवगत है और इसने अपनी धरती से अपने पड़ोसी मित्र देशों के विरूद्ध किसी भी प्रकार की गतिविधि नहीं होने देने की मजबूत नीति को अपना रखा है।

भारत नेपाल का सबसे बड़ा विकास साझेदार रहा है ; हम नेपाल की विभिन्न विकास परियोजनाओं में भारत की सतत दिलचस्पी की सराहना करते हैं। मैं इस अवसर पर निर्माण

उद्योगों से लेकर जल विद्युत तक , सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर अवसंरचना विकास तक , कृषि विकास से लेकर पर्यटन संवर्धन कार्यक्रम आदि तक विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में नेपाल में भारत से और अधिक निवेश के लिए इस महान समूह के माध्यम से अपील करना चाहूंगा।

इस संदर्भ में कई लोग मुझसे हमारे दो पड़ोसी मित्र देश - भारत और चीन को शामिल करते हुए नेपाल में त्रिपक्षीय आर्थिक सहयोग करने के मेरे प्रस्ताव के औचित्य के बारे में

पूछते हैं। मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि इस बदली हुई वैश्विक व्यवस्था और क्षेत्रीय संदर्भ व भारत एवं चीन के बीच बढ़ते आर्थिक संबंध में नेपाल में परस्पर विभिन्न परियोजनाओं के त्रिपक्षीय सहयोग संभव है और यह कोई दूर का स्वप्न नहीं होगा। यह हमारा भावी विजन है और मैं आपको यह स्पष्ट कर दूं कि मेरी इच्छा अपने द्विपक्षीय संबंधों को हानि पहुंचाने या बदलने की नहीं है जो सदियों से सफलतापूर्वक बरकरार है। बल्कि मेरा विश्वास है कि हमारे पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाकर त्रिपक्षीय सहयोग के आधार को तैयार किया जाएगा और तैयार किया जा सकता है। किंतु साथ-साथ मेरा विश्वास है कि नेपाल का आर्थिक विकास हमारे मित्र देशों के ऐसे सहयोग से ही संभव है। यह नेपाल और नेपाल निवासियों की समृद्धि का आधार होगा जो न केवल नेपाल के हित में है बल्कि यह समान रूप से भारत एवं चीन के बेहतर हितों में भी होगा। मुझे एक तथ्य स्मरण आर रहा है कि परंपरागत रूप और ऐतिहासिक रूप से नेपाल ने अपने कई व्यापारिक मार्गों के माध्यम से भारत व चीन को जोड़ने में अहम भूमिका अदा की है और साथ ही अपने लोगों को शांति और समृद्धि प्रदान की है।

मित्रों,

भारत में मेरा यह दौरा हमारे मित्र देश के लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को पूरा करते हुए 21वीं सदी में हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने के तरीकों का पता लगाने पर संकेंद्रित है।

नेपाल-भारत संबंध विश्व के कई देशों हेतु द्विपक्षीय संबंधों का बेहतरीन उदाहरण होना चाहिए। मैं इन संबंधों को आने वाले दशक में अपने दो देशों और यहां के लोगों की परस्पर संतुष्टि के

लिए और मजबूत और समेकित होते देखना चाहूंगा।मेरा विश्वास है कि वैश्विक स्तर पर बदली गतिशीलता और नेपाल में हुए सफल बदलाव से हमारे संबंधों के और विकासित होने के लिए अनुकूल माहौल सृजित होगा। इसलिए, हमारा फोकस उस ओर होना चाहिए।

मैं इस अवसर पर भारत-नेपाल संबंध को एक नयी ऊंचाई तक ले जाने के लिए आपके योगदान के लिए आपको धन्यवाद देना चाहूंगा।

ध्यान पूर्वक मेरी बात सुनने के लिए आपका धन्यवाद।

***